

खबर संक्षेप

खेड़ीसफा में 30 को रात्रि ठहराव कार्यक्रम होगा

जींद। नगराधीश मोनिका रानी ने बताया कि उचाना उपमंडल के गांव खेड़ीसफा के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में आगामी 30 जुलाई को सायं सात बजे जिला प्रशासन का रात्रि ठहराव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस रात्रि ठहराव कार्यक्रम की अध्यक्षता डीसी डा. वैशाली शर्मा करेंगी। नगराधीश मोनिका रानी ने बताया कि रात्रि ठहराव कार्यक्रम के तहत जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी ग्रामीणों के साथ संवाद करेंगे और गांव में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनेंगे।

अनाज मंडी में करोड़ों से होंगे विकास कार्य
उचाना। मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेंद्र खरकभूरा ने कहा कि उचाना अनाज मंडी के विकास के लिए 9 करोड़ से अधिक की राशि खर्च कर विभिन्न विकास कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मंडी में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जाएंगे तथा विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री के नेतृत्व में उचाना निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। चुनाव के दौरान जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए विधायक पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।

विधायक अत्री घोघड़िया में सुनेंगे मन की बात कार्यक्रम

उचाना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात का प्रसारण 25 जुलाई को किया जाएगा। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री गांव घोघड़िया में बृथ नंबर 124 पर शक्ति केंद्र प्रमुख सतपाल जांगड़ा के निवास पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम को सुनेंगे। कसहन मंडल अध्यक्ष संजय बड़ौदा ने बताया कि प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों को प्रेरणादायक विचार, जनभागीदारी, सामाजिक सरोकार, पर्यावरण संरक्षण, नवाचार और राष्ट्र निर्माण से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश मिलते हैं।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा छात्रों के संघर्ष की जीत उचाना।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद जेजेपी युवा प्रदेश सचिव विकास उर्फ विक्की श्योकंद ने कहा कि लगातार उठ रही इस्तीफे की मांग और छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बाद सरकार को यह फैसला लेना पड़ा। श्योकंद ने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रणाली में सामने आई अनियमितताओं और पेपर लीक के मामलों ने लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित किया। उनका कहना है कि केवल इस्तीफा पर्याप्त नहीं है, बल्कि परीक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार, जवाबदेही तय करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी जरूरी है।

सकारात्मक जीवनशैली अपनाने को प्रेरित किया

जींद। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत युवाओं एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने और स्वस्थ व सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से जजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसी क्रम में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत द्वारा नशा मुक्त युवा से विकास भारत अभियान के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इन प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य युवाओं में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना है।

जींद: कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ किया जागरूक
जींद। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खरकभूमजी के अंतर्गत गांव पड़ाना में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक एजुकेटर महेंद्र सिंह ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को कन्या भ्रूण हत्या रोकने, बालिका शिक्षा, गिरते लिंग अनुपात तथा पीएनडीटी एक्ट के प्रति जागरूक करना था। इसमें महिलाओं, किशोरियों, आशा वार्कर्स, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने भाग लिया।

लोग कुइयां खुदवा कर बदहाल जिंदगी जीने को मजबूर

रघु नगर में सीवरेज व्यवस्था न होने से कॉलोनीवासी दुःखी

हजारों मकान, सैकड़ों फैक्ट्रियां, फिर भी नहीं व्यवस्था



जींद। नई अनाज मंडी के सामने स्थित रघु नगर, जहां आज तक सीवरेज व्यवस्था नहीं है।

फोटो :हरिभूमि

कई बार प्रशासन को गुहार लगा चुके

वाई नंबर 24 के नगर पार्सद अगिल कुमार का कहना है कि सीवरेज व्यवस्था सुचारु करवाने को लेकर वे भी लगातार प्रयासरत है। कई बार प्रशासन को गुहार लगाई जा चुकी है लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकला है। संबंधित विभाग तीन-चार महीने तक सीवरेज व्यवस्था का बजट आने की बात कह रहा है। जैसे ही बजट आएगा रघु नगर में सीवरेज व्यवस्था का काम शुरू हो जाएगा।

मौसम में हालात और भी गंभीर हो जाते हैं तथा लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो जाता है। गोयल ने कहा कि नगर परिषद समय-समय पर लोगों को हाउस टैक्स के नोटिस भेजती है लेकिन जब मूलभूत सुविधाएं ही उपलब्ध नहीं करवाई जा रहीं तो जनता आखिर टैक्स किस बात का दे रही है। विकास के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं

लेकिन रघु नगर की हकीकत उन दावों की पोल खोल रही है। गोयल ने प्रशासन से मांग की है कि रघु नगर में प्राथमिकता के आधार पर स्थायी सीवरेज व्यवस्था करवाई जाए ताकि हजारों लोगों को इस गंभीर समस्या से राहत मिल सके। कहा कि वे कई बार प्रशासन को इस समस्या से अवगत करा चुके हैं लेकिन अभी तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।

मच्छरजनित बीमारियों से बचाव को किया जागरूक

जींद। उप स्वास्थ्य केंद्र रिटेली में स्वास्थ्य विभाग की ओर से मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव को लेकर जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। बूखार से पीड़ित मरीजों की रक्त पट्टिका बनाई गई व लैब में भेजा गया। एमपीएवडबल्यू निर्मल मोरखी ने ग्रामीणों को जागरूक करते कह कि बरसात और गर्मी के मौसम में मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ जाती है। जिससे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इन बीमारियों से बचाव के लिए सबसे जरूरी है कि आसपास कहीं भी पानी जमा न होने दिया जाए। क्योंकि मच्छर पानी में ही पनपते हैं। जुलाई माह डेंगू दिवस के रूप में मनाया गया। ग्रामवासियों को समझाया कि घरों के आसपास रखे कूलर, गमले, टायर, पानी की टंकियां आदि को नियमित रूप से साफ करें।



जींद। बुखार पीड़ितों के रक्त सैपल लेते स्वास्थ्यकर्म। *फोटो :हरिभूमि*



जींद। रक्तदाता को बैज लगाते अतिथि।

फोटो :हरिभूमि

मोरखी में लगे शिविर में 51 यूनिट रक्त एकत्रित

जींद। मोरखी गांव के सामुदायिक केंद्र में स्वीडिस्क रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर थ्योर इवेंट्स मैनेजमेंट कंपनी द्वारा जय हिंद फाउंडेशन के सौजन्य से आयोजित किया गया। जिसमें ग्रामीणों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। योर इवेंट्स के डायरेक्टर हर्ष घनघस ने बताया कि शिविर में कुल 51 यूनिट रक्तदान किया गया। दो महिला रक्तदाताओं ने भी रक्तदान कर समाज के लिए प्रेरणादायक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचावे में सहायक हो सकता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीएचसी सिवाननाल के वरतक ससन डा. अमित हुड्डा रहे। अध्यक्षता सरपंच संदीप कुमार ने की। अतिथियों ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया और कहा कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान कर मानव सेवा में योगदान देना चाहिए। शिविर के दौरान थ्योर इवेंट्स एवं टीम द्वारा रक्तदाताओं व अतिथियों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं की गईं।

हरियाणवी बोली को भाषा बहानी की दिशा में हरियाणवी बोलियों पर आधारित यह पहली प्रदर्शनी: डायरेक्टर

सीएम ने किया हरियाणवी भाषा-संस्कृति प्रदर्शनी का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज़ ►► जींद

हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला की ओर से पंडित लख्मीचंद की जयंती के अवसर पर दादा लख्मीचंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विवि रोहतक में आयोजित साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान हरियाणवी भाषा व संस्कृति प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया। प्रदर्शनी के संयोजक व अकादमी के हिंदी और हरियाणवी प्रकोष्ठ के डायरेक्टर डा. धर्मदेव विद्यार्थी ने बताया कि हरियाणवी भाषा को बोली बनाने की दिशा में हरियाणवी बोलियों पर आधारित यह पहली प्रदर्शनी है। जिसका



जींद। डॉ. विद्यार्थी के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यमंत्री नायब सैनी।

सार्वजनिक आयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी में हरियाणवी की देवनागरी लिपि मान कर हरियाणवी वर्णमाला को हरियाणवी भाषा के साथ विकसित किया गया है, वहीं हरियाणवी बोलियां कोरबी, बांगरू, बागड़ी, अहिरवाती, वृज और

मेवाती बोलियों के वाक्य निर्माण को प्रदर्शित कर हरियाणवी मानक शब्द तैयार करने का सार्थक प्रयास रहा है। इस प्रदर्शनी में हरियाणवी भाषा में लिखने वाले प्रमुख साहित्यकार और हरियाणवी फिल्मों को भी प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में

जींद

कारगिल के अमर वीरों का सर्वोच्च बलिदान प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत: शर्मा

नरवाना। डीबीके पब्लिक स्कूल, नरवाना में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या रीटा वालिया के मार्गदर्शन में हुआ। विद्यार्थियों को कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य, बलिदान एवं राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान कक्षा 10 की छात्राओं रिया, नंदिनी एवं सारिका ने देशभक्ति से ओत-प्रोत कविता-पाठ प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का



प्रभावशाली संचालन स्वाति एवं गरिमा ने किया। वहीं संस्कृत शिक्षिका सुमन शर्मा ने कारगिल युद्ध के वीर सैनिकों के अद्वितीय पराक्रम, त्याग एवं राष्ट्रप्रेम पर ओजस्वी भाषण प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने समूह गीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभक्ति की भावना का सुंदर प्रदर्शन किया। अपने संबोधन में



जींद। कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए बैठक में भाग लेते सृष्टि सदस्य।

अग्रवाल धर्मशाला में आज होगा सुरों का संग्राम

जींद। शहर की समाजसेवी संस्था सृष्टि फाउंडेशन द्वारा अपने प्रोजेक्ट नेत्र बैक की सहयताय रविवार को सायं पांच बजे अर्धन एस्टेट स्थित अग्रवाल धर्मशाला में सृष्टि संगीत संंध्या कार्यक्रम सुरों के संग्राम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में गायक कलाकार अपने-अपने सुरों के माध्यम से महान गायकों को श्रद्धांजलि दे अपनी अपनी प्रतिभा का परिचय देंगे। सृष्टि फाउंडेशन के प्रवक्ता बलविंदर सिंह ने बताया कि संगीत संंध्या कार्यक्रम में नीरज शर्मा, लक्की बतरा, रमेश बंसल, मयंक, शिंदर, मनोज भारद्वाज, विनय अरोड़ा,नरेश शर्मा, वैद्यप्रकाश, सतीश कुमार, सुरेंद्र धीमान, डा. क्यूटी, मनोज जाखड़, राजीव सेनी, लीना भारद्वाज तथा तुषा अपने मनमोहक गायकों से कार्यक्रम को चार चांद लगाएंगे। सृष्टि फाउंडेशन के संयोजक डा. विवेक सिंगला ने बताया कि सृष्टि परिवार 19 साल से जींद ही नहीं बल्कि दूर-दूर के इलाके के 98 बच्चों का हृदय आपरेशन करवा चुका है। जबकि संस्था अपने वर्तमान प्रोजेक्ट नेत्र बैक के तहत 29 महादानियों से नेत्र दान लेकर 58 लोगों को नेत्र उ्पाति दिला चुकी है।

वेदा इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ी छाप

नरवाना। पटियाला रोड स्थित वेदा इंटरनेशनल स्कूल, नरवाना के कई विद्यार्थियों ने खेलकूद प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्लॉक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय की अंडर-14 वेस टीम(लड़कियों में)अंशी, श्रेया, दीपांशी, पूर्वी नैन और लडको में बैडमिंटन में कार्तिक, दिवम और देवाश ने ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता में शानदार खेल कोशल का परिचय देते प्रथम स्थान प्राप्त किया है।प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, अनुशासन और प्रतिस्पर्धी भावना का प्रदर्शन किया, जिससे प्रतिस्द्धि टीमों को पराजित कर यह ट्रॉफी अपने नाम की। शानदार सफलता पर विद्यालय परिसर में एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया। चेयरपर्सन मंजु मितल और प्राचार्या ने विजेताओं की मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।



नरवाना। विजेता बच्चे स्कूल चेयरपर्सन मंजू मितल के साथ।



उचाना। अभियान के तहत स्कूल में पहुंचे स्वास्थ्य कर्मी। *फोटो :हरिभूमि*

सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें

उचाना। स्वास्थ्य विभाग उचाना की टीम ने उचाना कलां घर घर व स्कूलों में जाकर डेंगू के लक्षण व बचाव के बारे में जानकारी दी। स्वास्थ्य सुपरवाइजर जगबीर सिंह ने बताया कि अपने घर में सभी पानी के बर्तन ढक कर रखें, कूलर, टंकी का पानी सप्ताह में एक बार जरूर खाली करें, फ्रिज की ट्रे, गमले, टायर इत्यादि में सप्ताह से ज्यादा पानी एकत्रित न होने दें ताकि मच्छर के अंडे लारवा पनपने न पाएं। बचाव के लिए अपने शरीर की ढक कर रखें तथा सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें, बुखार आने पर नजदीक स्वास्थ्य केंद्र पर अपनी आवश्यक जांच करवाएं, सप्ताह में एक दिन सूखा दिवस मनाएं ताकि डेंगू व मलेरिया से बचा जा सके। स्वास्थ्य कार्यकर्ता सत्यवान न्याय, गुरुदेव,संजय अन्य स्टाफ मौजूद रहे।



जींद। बच्चों के साथ मौजूद रुद्राक्ष मिश्र।

फोटो :हरिभूमि

इंटरनेशिप पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान

जींद। क्लासिक कम्प्यूटर्स में विभिन्न कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इंटरनेशिप पूर्णिमा प्रमाण पत्र वितरण समारोह का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर डिजिटल मार्केटिंग, साइबर सिक्योरिटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, प्रोग्रामिंग तथा अन्य कोशल आधारित प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रचार विभाग के प्रता संयोजक रुद्राक्ष मिश्र ने विद्यार्थियों को संबोधित करते कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी युग में केवल डिग्री ही नहीं बल्कि व्यावहारिक कोशल भी सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। उन्होंने युवाओं से नई तकनीकों को निरंतर सीखने, अनुशासन के साथ कार्य करने तथा अपने ज्ञान और कोशल का उपयोग समाज एवं राष्ट्र निर्माण में करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जेजीआई जींद क्लासिक के अध्यक्ष सन्नी जुनेजा, गगन अरोड़ा तथा सागर कथूरिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।



जींद। स्टेशन पर कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे।

फोटो :हरिभूमि

कारगिल विजय दिवस पर अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

जींद। आधारशिला पब्लिक स्कूल में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर एक गरिमामय श्रद्धांजलि समा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की निदेशिका अंजू सिहाग एवं प्रणामार्च्य सतवीर सिंह महल्लात द्वारा अमर शहीदों के पितर पर पुष्पांजलि अर्पित कर तथा दो मिनाट का मौन धारण किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने ओजपूर्ण भाषण, नृत्य आदि के माध्यम से कारगिल के वीर सैनिकों के अदम्य शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। विद्यालय के अध्यापक जगमोहन ने बच्चों के साथ अपने कारगिल के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि किस प्रकार कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए हमारे सैनिकों ने देश की रक्षा की। विद्यालय के प्रवक्तायर्च्य सतवीर सिंह महल्लात व निदेशिका अंजू सिहाग ने अपने संबोधन में कहा कि कारगिल के अमर शहीदों का त्याग प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का अमिट स्रोत है। उन्होंने विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा प्राप्त कर जिम्मेदार नागरिक बनने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।



गुरुकुल पूंडरी की एमडी ने दिया हरियाली का संदेश

पूंडरी। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से गुरुकुल पूंडरी की प्रबंध निदेशक कुसुम कंसल ने पौधरोपण कर समाज को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराया। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे केवल पर्यावरण को शुद्ध ही नहीं करते, बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व का सबसे मजबूत आधार भी हैं। प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनका संरक्षण करने का संकल्प लेना चाहिए।

महाराजा दश प्रजापति जयंती आज मनेगी

कलायत। महाराजा दश प्रजापति जयंती महोत्सव 26 जुलाई को कलायत स्थित प्रजापति धर्मशाला में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया जाएगा। कुम्हार धर्मशाला ट्रस्ट एवं समस्त प्रजापति समाज के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा की पूर्व राज्य मंत्री कमलेश डांडा शिरकत करेंगी। रिटायर्ड पुलिस अधिकारी रत्न लाल प्रजापति व प्रमुख समाजसेवी पाला राम प्रजापति ने बताया कि जयंती समारोह को भव्यबनाने के लिए समाज के लोगों द्वारा व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

आज मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेला

गुहला-चीका। एसडीएम मनीष कुमार यादव ने बताया कि अंत्योदय परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रविवार, 26 जुलाई को प्रातः 9 बजे बीडीपीओ कार्यालय के सभागार में मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेला आयोजित किया जाएगा। मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सेनी करेंगी। इस अवसर पर अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहेंगे।

रंजिश के चलते युवक पर किया जानलेवा हमला

कैथल। गांव करोड़ा में पुरानी रंजिश के चलते युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित युवक का आरोप है कि पहले खेत में रास्ता रोककर जान से मारने की धमकी दी और अगले ही दिन घर पर पहुंचकर गंडासी और डंडों से हमला कर दिया। घायल युवक को इलाज के लिए सिविल अस्पताल कैथल में भर्ती कराया गया। पूंडरी थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के दो शिकायत में गांव करोड़ा निवासी संदीप (32) ने बताया कि 22 जुलाई को वह खेत जा रहा था। रास्ते में उसके चाचा रोनाक उर्फ रोनाकी ने रास्ता रोककर हमला किया।

18 ग्राम हेरोइन व 2 लीटर अवैध शराब सहित आरोपी काबू

कैथल। पुलिस चौकी रामथली ने एक आरोपी को 5.18 ग्राम हेरोइन (चिट्ठा) तथा 2 लीटर अवैध शराब सहित काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस चौकी रामथली प्रभारी एसएसआई राजेश कुमार टीम के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान गांव उरलाना के पास घग्गर नदी की पटरी पर एक गुप्त सूचना मिली की मंजू राम निवासी गांव चिचड़वाला, जिला पटियाला (पंजाब) बाइक पर अवैध शराब लेकर गांव खरका की तरफ बेचने जा रहा है। पुलिस टीम ने नाकाबंदी कर दी। करीब 10 से 15 मिनट बाद एक युवक आता दिखाई दिया। पुलिस द्वारा रकने का इशारा करने पर आरोपी घबरा गया और मोटरसाइकिल मोड़कर भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन मोटरसाइकिल बंद हो गई। पुलिस टीम ने उसे मौके पर ही काबू कर लिया।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को खबरार मिलने में किसी भी प्रकार अड़िचढ़ि हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य खबरार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हुडा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेटिसम के सामने, कैथल फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

जींद-कैथल

सरकारी स्कूलों में अगस्त से शुरू होगा कैच अप शिक्षण कार्यक्रम

अब हर बच्चे को उसकी क्षमता के अनुरूप मिलेगी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा



जींद। खेल-खेल में सीखते बच्चे।

फोटो: हरिभूमि

अब केवल गलती नहीं बताएंगे, समझाएंगे भी

कार्यक्रम की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में टूटि विश्लेषण शामिल है। अब कौंधियों की जांच केवल सही और गलत तक सीमित नहीं रहेगी। शिक्षक यह समझेंगे कि बच्चा गलती क्यों कर रहा है, उसकी कठिनाई क्या है और उसे कैसे दूर किया जा सकता है। प्रत्येक विद्यार्थी को व्यक्तिगत फीडबैक दिया जाएगा ताकि वह अपनी गलतियों को समझकर उनमें सुधार कर सके

मौलिक शिक्षा अधिकारी जींद व सोनीपत तथा डाइट ईक्क्स और बिस्वामील के प्राचार्यों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर स्कूल एजुकेशन की मूल भावना को धरातल पर उतारने की दिशा में शिक्षा विभाग ने सरकारी विद्यालयों

में एक महत्वाकांक्षी कैच अप शिक्षण कार्यक्रम लागू करने का निर्णय लिया है। यह कार्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए संजीवनी साबित होगा जो विभिन्न कारणों से अपनी कक्षा के अपेक्षित अधिगम स्तर तक नहीं पहुंच पाए हैं। विभाग का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम पूरा कराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि

15 दिवसीय विशेष पुनरावृत्ति अभियान

कार्यक्रम के पहले चरण में अगस्त 2026 के दौरान सभी सरकारी विद्यालयों में 15 दिवसीय विशेष पुनरावृत्ति अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान विद्यार्थियों की भाषा, पठन, लेखन तथा बुनियादी गणितीय दक्षताओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। शिक्षकों द्वारा बच्चों की वर्तमान सीखने की स्थिति का आकलन कर उनकी आवश्यकताओं के अनुसार गतिविधियां संचालित की जाएंगी। विभाग का मानना है कि यदि सत्र के प्रारंभिक चरण में ही बच्चों की मूलभूत कमियों की पहचान कर ली जाए और उन्हें समय रहते दूर कर दिया जाए तो आगे की पढ़ाई अधिक प्रभावी और परिणामदायी होगी।

छह महीने तक प्रतिदिन चलेंगी विशेष कक्षाएं

शिक्षा विभाग ने इस कार्यक्रम को केवल एक अभियान तक सीमित नहीं रखा है। अगस्त 2026 से जनवरी 2027 तक विद्यालयों के नियमित टाइम-टेबल में प्रतिदिन 20 से 30 मिनट का कैच-अप सत्र शामिल किया जाएगा। यह अतिरिक्त समय विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए होगा। जिन्हें अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग की आवश्यकता है। शिक्षक प्रत्येक सप्ताह फॉर्मेटिव असेसमेंट करेंगे और उसी आधार पर यह तय करेंगे कि किन बच्चों को विशेष सहायता की आवश्यकता है। जिन विद्यार्थियों ने अपेक्षित दक्षता प्राप्त कर ली होगी, वे सामान्य शिक्षण प्रक्रिया से आगे बढ़ेंगे। जबकि अन्य बच्चों को अतिरिक्त अयास एवं व्यक्तिगत मार्गदर्शन दिया जाएगा।

प्रत्येक बच्चा उसकी सीखने की क्षमता (लर्निंग लेवल) के अनुरूप शिक्षा प्राप्त करे और कोई भी विद्यार्थी अधिगम की दौड़ में पीछे न रह जाए। बीते वर्षों में विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय अधिगम आकलनों, स्कूल आधारित मूल्यांकनों तथा कक्षा शिक्षण के

अनुभवों से यह स्पष्ट हुआ है कि एक ही कक्षा में पढ़ने वाले सभी बच्चों का सीखने का स्तर समान नहीं होता। कुछ विद्यार्थी भाषा और गणित की बुनियादी दक्षताओं में अपेक्षित स्तर से पीछे रह जाते हैं। यदि समय रहते इस अंतर को दूर नहीं किया जाए तो यह लर्निंग गैप का रूप ले लेता है।

भाजपा का हर कार्यकर्ता संगठन की रीढ़

भारतीय जनता पार्टी के करोड़ा मंडल के भाणा शक्ति केंद्र-1 एवं भाणा शक्ति केंद्र-2 की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मार्केट कमेट्री पाई के चेयरमैन कृष्ण शर्मा पिलनी ने मुख्य रूप से भाग लेते हुए संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। कृष्ण शर्मा पिलनी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है। बूथ स्तर पर मजबूत संगठन ही पार्टी को सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता संगठन द्वारा चलाए जा रहे डिजिटल लर्निंग



कैथल । भाणा शक्ति केंद्र-1 एवं 2 की मासिक बैठक के दौरान चेयरमैन कृष्ण शर्मा

प्रशिक्षण अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और अपना प्रशिक्षण पूर्ण कर प्रमाण-पत्र डाउनलोड करें, ताकि संगठन के इस अभियान को सफल बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सेनी के नेतृत्व में सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को



जींद। अपने मॉडल के साथ स्कूली बच्चे।

फोटो: हरिभूमि

नव्हे विद्यार्थियों ने दिखाई क्ले एक्टिविटी में अपनी प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ►► नरवाना

शिक्षा भारती मॉडल स्कूल में नर्सरी से यूकेजी तक के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं गतिविधि-आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से क्ले एक्टिविटी का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। इस रचनात्मक गतिविधि में नन्हे-मुन्हे विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह, आत्मविश्वास एवं आनंद के साथ भाग लिया तथा रंग-बिरंगी क्ले (मिट्टी) से सुंदर एवं आकर्षक आकृतियां बनाकर अपनी कल्पनाशीलता और सृजनात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

क्ले एक्टिविटी के दौरान बच्चों ने विभिन्न प्रकार के फल, सब्जियाँ, फूल, जानवर, पक्षी, वाहन तथा अन्य आकर्षक आकृतियाँ तैयार कीं। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति, हाथों की पकड़, एकाग्रता, रचनात्मक सोच तथा कलात्मक अभिव्यक्ति का विकास हुआ। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी-अपनी

कलाकृतियाँ प्रस्तुत कीं, जिन्हें देखकर सभी शिक्षक अत्यंत प्रसन्न हुए। विद्यालय के प्रधानाचार्या अनिल चहल व उप प्रधानाचार्या सिल्वी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रारंभिक शिक्षा में इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियां बच्चों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

दुष्कर्म के प्रयास के दो आरोपी गिरफ्तार

कैथल। थाना सीवन पुलिस ने किशोरी के अपहरण, नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म के प्रयास तथा पॉक्सो एक्ट के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना सीवन क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने बताया कि उसकी 15 वर्षीय पोती 19 जुलाई दोहर गांव में बाबा के भंडारे से लौट रही थी। काफी समय बीत जाने के बाद भी घर नहीं पहुंची तो तलाश शुरू की। गांव में एक मामला में किराये पर रहने वाले दो युवक अजय तथा राकेश से पूछताछ की तो वे संतोषजनक जानकारी नहीं दे सके। दी। मकान की छत पर पहुंची तो उसकी पोती बेहोशी की हालत में पड़ी हुई थी।

न्यूज डायरी



एमडी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

नरवाना। एमडी पब्लिक स्कूल, नरवाना के विद्यार्थियों ने ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न खेलों में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यार्थियों की इस शानदार सफलता पर विद्यालय परिवार एवं अभिभावकों में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के विद्यार्थियों ने क्रिकेट, शतरंज, जूडो, लंबी कूद, डिस्कस थ्रो, वॉल रैस, शॉटपुट, जेवलिन्ग थ्रो एवं 800 मीटर दौड़ जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई स्वर्ण एवं रजत पदक अपने नाम किए। अब ये खिलाड़ी आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में विद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर आर्य समाज के प्रधान चंद्रकांत आर्य ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

विधायक सतपाल जाम्बा ने किया पौधरोपण



डांड। पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने और हरित पूंडरी के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से पूंडरी विधानसभा क्षेत्र में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विधायक सतपाल जाम्बा ने चार सरकारी विद्यालयों में पौधरोपण किया। इस दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों, पंचायत प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने भी पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

मोनिका लोहान श्रम प्रवर्तन अधिकारी के पद पर चयनित

जींद। डीएन मॉडल स्कूल के लिए गर्व का क्षण है कि विद्यालय की पूर्व छात्रा मोनिका लोहान का चयन बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से श्रम प्रवर्तन अधिकारी के पद पर हुआ है। उनकी इस शानदार सफलता से विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। मोनिका लोहान ने अपनी मेहनत, लगन, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

छात्रों के संकल्प के आगे सरकार को झुकना पड़ा

कैथल। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) देश के उन छात्रों और युवाओं को बधाई दी जिन्होंने पेपर लीक के मामले में जवाबदेही के लिए संघर्ष किया। इन पेपर लीक की वजह से 22 छात्रों ने दुर्भाग्यपूर्ण रूप से आत्महत्या कर ली। राज्य सचिव प्रेम चंद व जिला कार्यवाहक सचिव जयप्रकाश शास्त्री ने पेपर के नाम संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि यह जीत देश के छात्रों और युवाओं के पतकें झरने और उनके बलिदान के बिना संभव नहीं होती, जिन्हें समाज के विभिन्न वर्गों का समर्थन मिला। उन्होंने केंद्र सरकार के निर्देशों पर प्रशासन द्वारा इस्तेमाल किए गए लाठीचार्ज और दमनकारी कदमों के बावजूद हार नहीं मानी।



कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आधुनिक भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में अगर बारिश के मौसम का असली आनंद लेना है, तो हमें अपने भीतर के बचपन को फिर से जगाना होगा। यानी आने वाले सावन-भादो के दिनों का मजा लेने के लिए बन जाएं बच्चे, थोड़े से अक्ल के कच्चे। तर्क, समझदारी और दुनियादारी के बोझ को किनारे रखकर, एक बच्चे जैसी मासूमियत और बेफिक्री से इस मौसम को जीना सीख लें तो पूरे साल जीवन ऊर्जा से लबरेज रह सकते हैं।
समेट लें हर बूंद: बारिश के ये भीगे-भीगे दिन साल में एक बार आते हैं और हमें यह संदेश देते हैं कि जिंदगी सिर्फ काम करने, पैसे कमाने और जिम्मेदारियां निभाने का नाम ही नहीं है। इस मौसम के बहाने प्रकृति हमें खुलकर हंसने, भीगने और गाने का न्यौता देती है। इसलिए इन दिनों में अपनी सारी 'अक्लमंदी' को कुछ दिनों के लिए आराम करने भेज दीजिए। दिल से पूरी तरह 'बच्चे' बनिए और सावन-भादो की हर एक बूंद को अपने भीतर समेट लीजिए। क्योंकि समझदारी में भले ही सुरक्षा हो, पर असली आनंद तो बेफिक्री की मासूमियत में ही मिलती है।
तर्क छोड़ लें आनंद: बड़े होने पर हम हर चीज में नफा-नुकसान, सही-गलत और लॉजिक ढूंढ़ने लगते हैं। बारिश का यह मौसम तर्क का नहीं, बल्कि अहसास का उत्सव है। जब आसमान से बूंदें गिरती हैं, तो एक समझदार व्यक्ति कपड़े भीगने या बीमार पड़ने के डर से छतरी तान लेता है। इसके विपरीत, मासूम बच्चे बिना किसी बचाव के बारिश की बूंदों का मजा लेने लगते हैं। बारिश का असली मजा लेने के लिए पहली शर्त यही है कि हम कुछ समय के लिए अपनी प्रौढ़ उम्र की समझदारी को भूलकर प्रकृति के इस उपहार को स्वीकार करें।
भीगने का बेबाक उल्लास: छत पर जाकर या सड़कों पर बाहें फैलाकर आसमान से गिरती बूंदों को अपने चेहरे पर महसूस करना एक श्रेणी की तरह है। जब आप 'बच्चे' बन जाते हैं, तो आपको इस बात की परवाह नहीं होती कि

लोग क्या कहेंगे या आपके जूते खराब हो जाएंगे। बारिश का पानी हमारे तन के साथ-साथ मन के तनाव को भी धो देता है। यह बेफिक्री ही बारिश को खास बनाती है।
कागज की कशरी से दोस्ती: 'वो कागज की



कशरी, वो बारिश का पानी।' मशहूर शायर सुदर्शन फाकिर द्वारा लिखी यह बेहद खूबसूरत नम्य वर्षा ऋतु से जुड़ी यादों को सामने ले आती है। बचपन में घंटों बैठकर रंग-बिरंगे कागजों से नाव बनाना और उन्हें बहते पानी में छोड़ना एक अलग ही रोमांच देता था। जब नाव किसी बाधा को पार कर आगे निकल जाती, तो मन खुशी से झूम उठता था। क्यों न एक बार फिर बच्चा बनकर कागज की कशरी को बहते पानी में बहाएं। महसूस करें कि छोटी-छोटी चीजों में कितनी बड़ी खुशियां छिपी होती हैं!
नहीं भूलेगी सोंधी महक: तपती गर्मी के बाद जब बारिश की पहली फुहार सूखी धरती पर पड़ती है, तो उससे उठने वाली सोंधी महक आत्मा को तृप्त कर देती है। बारिश में भीगते, मिट्टी में खेलने के दौरान बच्चे इस सोंधी महक से भी जुड़ जाते हैं। आज कंक्रीट के जंगलों और 'स्क्रीन टाइम' के दौर में, बारिश हमें वापस

आंशुद बीतने वाला है, सावन का महीना शुरू होने वाला है। रिमझिम फुहारों से भीगी हरी-भरी प्रकृति और मन को प्रफुल्लित करने का यह मौसम हमें आमंत्रित करता है कि आइए, एक बार फिर अपने बचपन में लौट जाएं। बारिश की फुहारों में तन मन को भिगो लें, अपनों के संग यादगार पल बिता लें, उनके साथ झूम लें। यकीन मानिए, ये पल आप कभी नहीं भूल पाएंगे।

आइए फिर बन जाएं बच्चे रिमझिम बारिश का लें जी भर मजा

मिट्टी की ओर खींचता है। बिना चप्पल पहने हरी घास और गीली मिट्टी पर चलकर देखिए, यह अनुभूति आप भूल नहीं पाएंगे।
झूले पर पींग बढ़ाने का रोमांच: सावन-भादो के मौसम में पुराने समय में बाग-बगीचों में पेड़ों



की डालियों पर रिसस्यों के झूले डाले जाते थे। किशोरियां और महिलाएं मिलकर लोकगीत गाती थीं और आसमान छूने की होड़ में पींग बढ़ाती थीं। हवा के झोंकों के साथ ऊपर जाना और फिर तेजी से नीचे आना, दिल की धड़कनों

गीत-संगीत के संग थिरकन

बारिश सिर्फ देखने या छूने का नहीं, बल्कि सुनने का भी मौसम है। बच्चों की गड़गड़ाहट, मेटकों की टट-टट, झींगुरों की आवाज और पतियों पर गिरती बूंदों का अपना एक संगीत होता है। इसके साथ ही, लोकगीतों और कजरी की परंपरा इस मौसम को संगीतमय बनाती है। कुछ पल के लिए जब आप बच्चे बनते हैं, तो झिझक छोड़कर संगीत की धुन पर अपने परिजन या दोस्तों के संग झूम उठते हैं। बारिश के गानों पर जी भर झूमना या नाचना, मन के भीतर दबे हुए सारे गुबार को बाहर निकाल देता है।

को बढ़ा देता था। आज भले ही वो बाग कम हो गए हों, लेकिन किसी पार्क में या घर की बालकनी में एक छोटा-सा झूला डालकर भीगी हवाओं का आनंद लिया ही जा सकता है। इससे हमारे भीतर का बाल-मन जीवंत हो उठेगा।
फायदेमंद है अक्ल का कच्चापन: 'अक्ल का कच्चा' होने का मतलब मूर्ख होना नहीं, बल्कि 'ओवरथिंकिंग' से मुक्त होना है। बारिश की बूंदें हमसे कहती हैं कि इस पल में जियो। जैसे बच्चे को कल की चिंता नहीं होती, वैसे ही कुछ घंटों के लिए अपनी अक्ल और चिंताओं को ताले में बंद कर देना ही आनंद मार्ग का दरवाजा खोलता है।
लजीज पकवानों का लें मजा: रसोई से घेवर, मालपुर्, मूंगदाल के चोले, गरमा-गरम पकोड़े और अदरक वाली

चाय की खुशबू, बारिश के मौसम का लुफ्त और बढ़ा देती है। अगर आप समझदार बने रहेंगे तो हमेशा कैलरी, डाइट और फैट के हिसाब-किताब में उलझे रहेंगे। लेकिन बारिश का मजा तो तब आएगा, जब आप बच्चे की तरह बिना किसी गिल्ट के लजीज व्यंजनों का स्वाद लेंगे।
हरियाली को निहारने का सुख: एक बच्चा प्रकृति के इस बदलाव को बड़े कौतूहल से देखता है। पतियों पर अटकी बूंदें, रंगते हुए छोटे कीट और इंद्रधनुष उसे मोहित कर देते हैं। जब हम एक बच्चे की विम्वय भरी नजरों से इस हरियाली को देखते हैं, तो हमें भी हर शय आकर्षक लगने लगती है। *

गीत

प्रो. शारद नारायण खरे

बरखा की बहार

ताल-तलैयां रीत गए थे नदियां भी थी सूखी।
बुझा-बुझा गन रहता था और काया भी थी रूखी।।
बरखा की बूंदों से पर अब, भिला खुशी का खत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की छिली-छिली तबियत है।।
कंठ शुष्क थे, जी घुटता था, बेवैनी मुस्कताती।
सारा आलम व्यथित हुआ था, सारे भी धन जाती हरियाली धरती पर बिखरी, लगता सुखद सतत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की छिली-छिली तबियत है।।
खेद बहा करता था थिथिदिन पर अब जल साथी है।
आसमान से श्रमिय बरसता, हर शय अब गाती है।।
नौसम तो गनआवन लगता, हर पल उत्साहित है
बहुत दिनों के बाद सभी की, छिली-छिली तबियत है।।
बूंदें लाई नवत संदेश, अवन-वन के गैले।
बब्ये गाव चलाते जल में, लिए छब के रेले।।
जीवन को नवकृषि भिला, कृषक हुआ आनंदित है।
बहुत दिनों के बाद सभी की छिली-छिली तबियत है।।

रमा ने दरवाजा खोला तो सामने एक नौजवान खड़ा था। असमंजस से दूबे हुए स्वर में रमा ने पूछा, 'जी कहिए, किससे मिलना है आपको?'
'अरे रमा आंटी! पहचाना नहीं मैं हूं रिंटू! कई साल पहले यहीं आपके पड़ोस में रहते थे ना हम।' कहकर रिंटू चुप हो गया।
'अरे हां, रिंटू! इतने सालों बाद तुम्हें यूँ देखकर थोड़ी हैरान हो गई थी मैं।' रमा को याद आया तो मुस्कुराते हुए उसका हाथ पकड़ भीतर ले आई। रमा अतीत को याद करने लगी। रिंटू के पिता सरकारी कर्मचारी थे। कई साल पहले ट्रांसफर से वहां पड़ोस में रहने आए थे। दो तीन साल रहकर फिर और किसी शहर में चले गए थे।
'तुम अचानक यहां कैसे बेटी?' और तुम्हें हम, ये घर याद था अब तक?' रमा ने रिंटू से प्रश्न किया। 'जी आंटी! मेरी बैंक में नौकरी लगी है और पहली पोस्टिंग इसी शहर में मिली है। कुछ दिन पहले ही आया हूं यहां। मां ने याद दिलाया कि आपसे जरूर मिलना। वैसे भी आंटी, भूलने का तो सवाल ही नहीं उठता आपको। आपकी वजह से तो आज मैं यहां तक पहुंचा हूं। आप की दी हुई सीख भूल चुका होता तो पापा की तरह शराबी, जुआरी हो गया होता।' रमा को बिसरा हुआ सब याद आने लगा। रिंटू के पिता आदतन शराबी थे। करेला और नीम चढ़ा यह कि जुए का भी जबरदस्त नशा था। आए दिन घर पर महाभारत होता। रिंटू की मां भी परिस्थितियों के कारण गुस्सेल हो गई थी। रोज-रोज कि मारपीट, झगड़े ने रिंटू का बचपन छीन लिया था। जैसे ही शाम होती वो भागकर रमा के घर आ जाता। जब तक उसके पिता की आवाज आनी बंद नहीं होती, तब तक उन्हीं के पास दुबका रहता। रमा को भी उस नन्हे बच्चे पर तरस आता। उसे खाने को देती, पढ़ाती, नई बातें सिखाती।
'क्या सोचने लगी आंटी?' मैं आपसे ही मिलने आया हूं। आज गुरु पूर्णिमा भी है तो और कभी इससे शुभ मुहूर्त नहीं मिलता आपसे मिलने आपका आशीर्वाद लेने का।' रिंटू की बात सुनकर रमा

लघुकथा / संजय गुटल

गुरु दक्षिणा

खिलता है। तुम्हारे घर के हालात कितने भी खराब हों तुम कभी अपने पापा की तरह बनने की सोचना भी मत। हमेशा सोचना कि कैसे इनके तरह ना बनूं? खूब पढ़ना, मेहनत करना, अपनी मां को सारी खुशियां देना। देखना एक दिन तुम्हारे पापा भी समझ जाएंगे सुख जाएंगे। बस सब रखना। ...और आंटी जी, मैंने आपकी बात को गांठ बांध लिया। जितनी भी मुश्किल आई, हार नहीं माना। घर में जितना भी माहौल खराब रहा, मां को समझाता रहा कि एक दिन सब अच्छा हो जाएगा। और देखिए आज मैं एक अच्छी नौकरी पर हूं। बस दुःख यही है कि पापा नहीं है। उन्हें भी खुशी तो होती आज।' रिंटू भावुक हो गया। 'बिल्कुल होती बेटी। कौन सा बाप बेटे की सफलता पर खुश नहीं होता। भले ही उन्होंने कितने गलत काम किए...' रमा बोली। 'जी आंटी। आपने जो भी सिखाया था उसी का यह परिणाम है।' कहते हुए रिंटू ने अपने बैग में से कुछ सामान निकाला, 'ये मेरी तरफ से कुछ भेंट है, मेरी तरफ से गुरु दक्षिणा मान कर स्वीकार कर लीजिए।' रमा की आंखों में आंसू झिलमिला उठे। स्नेह से रिंटू के सिर पर हाथ फेरा। वाकई कीचड़ में कमल खिलते देख लिया था उसने। *

वर्तमान में लौट आई। रिंटू को इस तरह खुश और विश्वास से भरा हुआ देखकर उसे अच्छा लग रहा था।
'घर में सब कैसे हैं रिंटू?' रमा ने रिंटू से पूछा। 'सब कौन आंटी? मैं और मां ही हैं। पापा तो कुछ साल पहले चल बसे। उनकी जगह मां को नौकरी मिल गई।' कुछ ठहरकर रिंटू फिर बोला, 'याद है आंटी, जब मैं रोज आपके यहां आकर छुपता था, आप कितना समझाती थीं मुझे। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे आपने एक बात कही थी उसी बात ने मुझे आज यह मुकाम दिया है।' 'ऐसा क्या कहा था मैंने? मुझे तो याद नहीं।' रमा ने सवाल किया। 'हमारे घर की हालत तो आपको याद होगी। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे, तब आपने मुझसे कहा था- रिंटू! कमल केवल कीचड़ में ही खिलता है। तुम्हारे घर के हालात कितने भी खराब हों तुम कभी अपने पापा की तरह बनने की सोचना भी मत। हमेशा सोचना कि कैसे इनके तरह ना बनूं? खूब पढ़ना, मेहनत करना, अपनी मां को सारी खुशियां देना। देखना एक दिन तुम्हारे पापा भी समझ जाएंगे सुख जाएंगे। बस सब रखना। ...और आंटी जी, मैंने आपकी बात को गांठ बांध लिया। जितनी भी मुश्किल आई, हार नहीं माना। घर में जितना भी माहौल खराब रहा, मां को समझाता रहा कि एक दिन सब अच्छा हो जाएगा। और देखिए आज मैं एक अच्छी नौकरी पर हूं। बस दुःख यही है कि पापा नहीं है। उन्हें भी खुशी तो होती आज।' रिंटू भावुक हो गया। 'बिल्कुल होती बेटी। कौन सा बाप बेटे की सफलता पर खुश नहीं होता। भले ही उन्होंने कितने गलत काम किए...' रमा बोली। 'जी आंटी। आपने जो भी सिखाया था उसी का यह परिणाम है।' कहते हुए रिंटू ने अपने बैग में से कुछ सामान निकाला, 'ये मेरी तरफ से कुछ भेंट है, मेरी तरफ से गुरु दक्षिणा मान कर स्वीकार कर लीजिए।' रमा की आंखों में आंसू झिलमिला उठे। स्नेह से रिंटू के सिर पर हाथ फेरा। वाकई कीचड़ में कमल खिलते देख लिया था उसने। *

संगीत-कला-मनोरंजन के साथ सुधरे स्वास्थ्य-बढ़े आयु

अगर आप लंबे समय तक स्वस्थ रहना चाहते हैं, अपनी मेमोरी, सुकून और आयु बढ़ाना चाहते हैं तो अपनी व्यस्त दिनचर्या में से कुछ समय अपने मनोरंजन के लिए निकालिए। कला और संगीत का जीवन पर कैसा सकारात्मक असर पड़ता है, इसका खुलासा हाल में एक स्टडी में हुआ है।



लाइफस्टाइल
अनू जैन

अगली बार जब आप अपने साप्ताहिक बजट या वीकेंड की योजना बनाएं, तो उसमें केवल मॉल जाने या रेस्टोरेंट में खाना खाने का कार्यक्रम न रखें, बल्कि किसी स्थानीय कला प्रदर्शनी का टिकट लें, किसी नाटक के दर्शक बनें या लाइव संगीत की महफिल का हिस्सा बनें। इससे आपके स्वास्थ्य और जीवन पर सकारात्मक असर पड़ेगा।
क्या कहती है स्टडी: वैज्ञानिकों द्वारा किया गया अध्ययन इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि कला कोई विलासिता नहीं, बल्कि दीर्घायु और स्वस्थ जीवन के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। जाहिर है, कला पर खर्च किया गया आपका समय और पैसा केवल

ने पाया कि जो लोग सप्ताह में कम से कम एक बार किसी सांस्कृतिक गतिविधि (जैसे फिल्म, नाटक या संगीत) का हिस्सा बनते हैं, उनकी जैविक उम्र न जाने वालों की तुलना में लगभग एक वर्ष कम पाई गई। कलात्मक गतिविधियों में सक्रियता से शरीर के बूढ़े होने की वार्षिक दर में करीब 4 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई है। जापान दुनिया में सबसे अधिक औसत आयु वाले देशों में शीर्ष पर है, जिसका एक बड़ा कारण वहां की जीवनशैली है। जब बुजुर्ग या वयस्क किसी पेंटिंग, प्रदर्शनी या लाइव कॉन्सर्ट में जाते हैं, तो उन्हें न केवल मानसिक संतोष मिलता है, बल्कि वे समाज के अन्य लोगों से भी जुड़ते हैं।
व्यायाम जैसा प्रभाव: वैज्ञानिकों का मानना है कि नियमित रूप से कला दीर्घायु या संगीत समारोहों में जाना शरीर पर उतना ही सकारात्मक जैविक प्रभाव डालता है, जितना कि नियमित व्यायाम करना या धूम्रपान/शराब जैसी लत को छोड़ना।



शारीरिक-मानसिक तंत्र पर प्रभाव: यह शोध केवल सतही आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरा न्यूरोलॉजिकल और बायोलॉजिकल विज्ञान काम करता है। जब हम किसी मूवी, म्यूजिक कंसर्ट या आर्ट एग्जिबिशन का हिस्सा बनते हैं, तो हमारे शरीर में कई बदलाव होते हैं। जैसे- कलात्मक माहौल में समय बिताने से मस्तिष्क में तनाव पैदा करने वाले हार्मोन 'कोर्टिसोल' का स्तर तुरंत गिर जाता है। इससे हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है

मनोरंजन पर नहीं, बल्कि आपके जीवन के कीमती और स्वस्थ वर्षों को बढ़ाने पर निवेश है। सीधी-सी बात है कि कला से जुड़िए और लंबी उम्र पाइए।
स्टडी का तरीका: जापान के नेशनल सेंटर फॉर जेरियाट्रिक्स एंड जेरोटोलॉजी और यूके के शोधकर्ताओं ने लगभग 10 से अधिक वर्षों तक हजारों वयस्कों के जीवन चक्र और उनकी सांस्कृतिक आदतों का विश्लेषण किया। वैज्ञानिकों ने डीएनए प्रणालियों और कोशिकाओं के बूढ़े होने की गति को मापा। इस शोध से जो बातें सामने आईं, उनसे यह साबित हुआ है कि सिनेमा, संगीत कार्यक्रम और कला प्रदर्शनों में भाग लेने से इंसान की जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। नियमित रूप से सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले लोगों की उम्र न केवल लंबी होती है, बल्कि उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी काफी बेहतर रहता है। इस शोध में शामिल वैज्ञानिकों

और असमय आने वाले हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। म्यूजिक कंसर्ट की धुन या किसी फिल्म की सम्मोहक कहानी हमारे मस्तिष्क में डोपामाइन, ऑक्सिटोसिन और एंडोर्फिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर को रिलीज करती हैं। ये हार्मोन दर्द कम करते हैं, मूड बेहतर बनाते हैं और शरीर में होलिंग की प्रक्रिया को तेज करते हैं। उम्र बढ़ने और अंगों के खराब होने का बड़ा कारण शरीर के अंदरूनी हिस्सों में होने वाली सूजन है। जो लोग कलात्मक अभिव्यक्तियों से जुड़े, उनके शरीर में 'साइटोकिंस' (सूजन बढ़ाने वाले प्रोटीन) का स्तर कम पाया गया, जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत बना रहता है।

MUSHROOMEX
मशरूम पाउडर

शर्त लगा लेव...
अब दुब्बर नई रहिहव!

Oyster Mushroom और
12+ प्राचीन आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों

से बना पावरफुल आयुर्वेदिक फ़ॉर्मूला
जो हेल्थी वेट गेन में सपोर्ट करें

मशरूम एवं 12+ जड़ी-बूटियाँ

प्राकृतिक रूप से वज़न बढ़ाने में सहायक

पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण में मददगार

शरीर में नए ब्लड सेल्स के निर्माण को सपोर्ट करे

10 दिनों में असर देखे

आपके मुहूर्त की सभी मंडिबल शरीर पर उपलब्ध।
Available at: www.mymushroomworld.com
amazon | Flipkart

Mushroom World Ayurved & Food Pvt. Ltd.

For Trade Enquiry - +91 888 922 5353

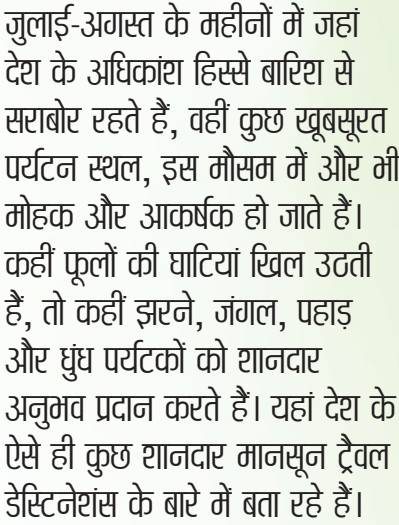
Facebook and Instagram icons

समय-समाज की कहानियां
गत वर्ष दिवंगत हुए प्रखर कथाकार अवधेश प्रीत की नई कहानियों के संग्रह 'मिनी और अन्य कहानियां' में बारह कहानियां संकलित हैं। इन कहानियों में जहां एक ओर लेखक की वह गहन दृष्टि नजर आती है, जिससे वे अपने समय में होने वाले विचलन को लक्षित करते हैं, साथ ही राजनीतिक और सामाजिक सरोकारों को लेकर उनकी प्रतिबद्धता भी प्रकट होती है। शीर्षक कहानी 'मिनी' का फलक अत्यंत विस्तृत है, जिसमें मीडिया की भूमिका, लोगों के चारित्रिक क्षण और स्त्री चेतना को स्वर दिया गया है। 'ये शरीफ लोग' कहानी हमारे समय की राजनीति और समाज के

उस स्याह यथार्थ को सामने लाती है, जिसमें एक स्त्री भरपूर संकल्प के साथ संघर्ष के लिए कदम तो बढ़ाती है लेकिन लोगों के संबल के अभाव में गहन मान लेती है। 'बारिश' कहानी आम इंसान के रोजमर्रा के खतराग और उसके अंतर्द्वंद्व को सामने लाती है। 'कॉफी' एक वृद्ध दंपती की भावनाओं और उनके अतीत की स्मृतियों को व्यक्त करती है तो 'उस मोड़ का अफसाना' अपने-अपने दंपत्य जीवन से आबद्ध दो सहैलियों के अतीत और वर्तमान प्रेम संबंध की कोमल-खुरदरी अनुभूतियों को पूरी भावुकता से स्वर देती है। पठनीयता से भरपूर और भाषा में स्थानीयता की सौंधी गंध लिए ये कहानियां, आत्मविवेचन के लिए भी प्रेरित करती हैं। *

किताब: मिनी और अन्य कहानियां(कहानी-संग्रह), लेखक: अवधेश प्रीत, मूल्य: 299 रुपए, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

मिनी और अन्य कहानियाँ
अवधेश प्रीत



एक एक्टर कभी भी अपने काम से संतुष्ट नहीं होता और उसे ऐसा लगता है कि अभी बहुत कुछ करना बाकी है। यही जुनून उस एक्टर के लिए प्रेरणा स्रोत होता है। जब मुझे राष्ट्रीय पुरस्कार मिला तो कई लोगों ने मुझे यही सलाह किया, 'आपका लक्ष्य तो पूरा हो गया, क्या आगे भी आप ऐसे ही काम के प्रति प्रोत्साहित रहेंगे?' ऐसे में मेरा यही मानना है पुरस्कार या सम्मान यात्रा के पड़ाव हैं। असली लक्ष्य है, अच्छी कहानी के जरिए आम लोगों के बीच सच में बदलाव करना। *